जनार्दन राय नागर राजस्थान विद्यापीठ विश्वविद्यालय, उदयपुर
लोकमान्य तिलक शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय, डबोक
दूरभाष :–0294–2657753, 9414812900 इमेलः– dabok2013@gmail.com

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस आयोजन प्रतिवेदन

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के पत्र क्रमांक **:- 8-1/2024 (Misc.)** दिनांक 25 फरवरी 2025 एवं विश्वविद्यालय द्वारा निर्देशित सहसंदर्भित पत्र की अनुपालना में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन किया गया।

उद्देश्य:–

1. विविध क्षेत्रों में महिलाओं द्वारा चुनौतियों का सामना कर अर्जित उपलब्धियों को अधिरेखांकित करना।
2. 'मजबूत महिला : स्वस्थ देश का आधार' के आदर्श को जनसहभागिता से संबद्ध करना।
3. 'समस्त महिलाओं एवं बालिकाओं के लिए अधिकार, समानता एवं सशक्तिकरण' के ध्येय वाक्य से आधी आबादी को परिचित कराना।

गतिविधि विवरण :–

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के पत्र में नारी सशक्तिकरण हेतु उल्लेखित गतिविधियों के लिए पंचाायतन युनिट डबोक में दो दिन समर्पित किए गये। :–

प्रथम दिवस :– 06 मार्च, 2025

अ. मानव श्रृंखला :–

दिनांक 6 मार्च को मानव श्रृंखला का आयोजन कर महिला गरिमा एवं बदलते परिवेश की चुनौतियों का सामना करने में महिलाओं की अंतर्दृष्टि, सशक्तिकरण व समायोजन क्षमता को प्रदर्शित किया गया। शिक्षा संकाय की अधिष्ठाता प्रो. सरोज गर्ग, शिक्षक प्रशिक्षिकाओं, भावी शिक्षिकाओं, स्नातक स्तर की छात्राओं की उपस्थिति में आयोजित इस श्रृंखला में नारी शक्ति के विविध रंगी छटाओं का प्रदर्शन हुआ।

ब. पोस्टर विमोचन :–

महाविद्यालय की प्रशिक्षणार्थियों ने महिला सशक्तिकरण से महिलाओं विशेष रूप से बालिकाओं की स्थिति में आए सकारात्मक परिवर्तन को प्रदर्शित करते पोस्टर का निर्माण किया। इसका विमोचन करते हुए अधिष्ठाता एवं उपस्थित संकाय सदस्यों ने महिला भावों के उद्‌गार में कल्पना व यथार्थ की आवश्यकता पर बल दिया।
प्रथम दिवस पर अध्यक्षयीय उद्बोधन देते हुए शिक्षा संकाय अधिष्ठाता प्रो. सरोज गर्ग ने भावी शिक्षिकाओं से न्यूनतम एक महिला को अधिकारों से परिचित कराने का आव्हान किया। महिला दिवस समारोह डॉ. अपर्णा श्रीवास्तव, डॉ. रोमा भंसाली, डॉ. रेखा कुमावत, श्रीमती देवपुरा समेत संकाय सदस्य, छात्राएं , छात्राध्यापिकाएं उपस्थित रहीं।

द्वितीय दिवस :— दिनांक 7 मार्च,2025

अ. मातृ शक्ति की वंदना को समर्पित द्वितीय दिवस का आगाज मां शारदे के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। औपचारिक उद्‌घाटन के पश्चात बी.एड. विभाग की छात्राध्यापिका ने महिलाओं द्वारा चुनौतियों का सामना करने की विशेषता का समर्पित गीत ' कहता ये पल, खुद से निकल, जीते हैं चल.... ' प्रस्तुति हुई।
वहीं बी.ए.बी.एड. बी.एससी. बी.एड. विभाग द्वारानारी के विश्वपूजित स्वरूप को समर्पित समूह गीत ' दुनिया की पहचान है नारी....' में महिला के महत्व को सार्वभौमिक किया।

ब. लघू नाटिका :—
बालिका शिक्षा की चुनौतियों , सामाजिक सरोकारों एवं सरकारी—गैर सरकारी प्रयासों को समर्पित एक लघु नाटिका 'बालिकाएं ही हैं सशक्त भारत की आधार' का प्रदर्शन डी.एल. एड. विभाग की छा्त्राध्यापिकाओं द्वारा किया गया। जिसमें डबोक गांव की महिलाओं एवं निर्माण कार्य में लगी महिला श्रमिकों को बालिका उत्थान के लिए किए जा रहे प्रयासों से परिचित कराया गया। अंत में उपस्थित बालिकाओं से अपने अधिकार के प्रति जागरूक रहने, सरकारी व गैर सरकारी प्रयासों से स्वयं भी परिचित हो अन्य महिलाओं को भी प्रेरित करने की शपथ दिलाई गई।

स. योगाभ्यास :—
माननीय प्रधानमंत्री महोदय के महामंत्र कि 'स्वस्थ शारीरिक विकास संतुलित जीवन शैली ही देश के विकास का आधार है', को सार्थक करने के लिए योग सत्र का आयोजन किया गया। महाविद्यालय के योग प्रशिक्षक डॉ. रोहित कुमावत के निर्देशन में आयोज्य इस सत्र में मानसिक तनाव, शारीरिक विकार को दूर करने के विविध योग व प्रायाणाम गतिविधियां करवाई गईं।

समापन :—

महिलाओं का सम्मान , अधिकारों के सार्वभौमिकरण एवं बालिकाओं के लिए अनुकूल विश्व निर्माण की प्रतिज्ञा के साथ दो दिवसीय समारोह संपन्न हुआ। द्वितीय दिवस के आयोजनों में डॉ. बलिदान जैन, डॉ. अमी राठौड, डॉ. सुनिता मुर्डीया समेत समस्त संकाय सदस्य एवं प्रशिक्षणार्थी उपस्थित रहे।

प्रो. सरोज गर्ग
अधिष्ठाता
शिक्षा संकाय